



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 586] नई विल्सो, बृहस्पतिवार, सितम्बर 14, 1989/मार्च 23, 1911
No. 586] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 14, 1989/BGADRA 23, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिकाराएं

नई विल्सो, 14 सितम्बर, 1989

आयकर

का. आ. 736 (म) :—बेंद्रीय सरकार, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
10 के खंड (15) के उपखंड (iv) की मद (ज) द्वारा प्रदत्त याचितयों का प्रयोग करते हुए, विधिग्रन्थित

एच इन्वेस्टमेंट द्वारा नियमित "15 वर्षीय 9% (करमुक्त) एस सी ब्राई सो ब्राई बंधपत्र (शुल्कला 2)", को उक्त वर के प्रयोजन के लिए विनियिंग करती है :

परम्परा उक्त वर के प्रयोजन कायदा तभी प्रभुव्य होगा जब ऐसे बंधपत्रों का शास्त्रात्मक नाम और वहि उक्त कायदेका अनुसार विवरण दिया जाए।

[मंख्या 8453/फा. स. 328/40/89-उल्ल्यटी]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 14th September, 1989

INCOME TAX

S.O. 736(E).—In exercise of the powers conferred by item (h) of sub-clause (iv) of clause (15) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies "15 year-9 per cent. (tax free) SCICI Bonds (Series 2)", issued by the Shipping Credit and Investment Company of India Limited, for the purpose of the said item :

Provided that the benefit under the said item shall be admissible only if the holder of such bonds registers his name and holding with the said Corporation.

[No. 8453/F. No. 328/40/89-WT]

धन्यवाद

का.आ. 737 (अ) :- केन्द्रीय मरकार, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धार 5 की उपधारा (1) के खंड (XVIc) द्वारा प्रवल्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, शिपिंग क्रेडिट एच इन्वेस्टमेंट कम्पनी ब्राफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा नियमित "15 वर्षीय -9 (कर मुक्त) एस सी ब्राई सो ब्राई बंधपत्र (शुल्कला 2)", को उक्त खंड के प्रयोजन के लिए विनियिंग करती है :

परम्परा उक्त खंड के प्रयोजन कायदा ऐसे बंधपत्रों के पृष्ठोंका या परिवान द्वारा अंतरण की दशा में सभी भागज्ञ दौना जब अंतरिती उन कम्पनी को ऐसे अंतरण के साठ विल की अवधि के भीतर रजिस्ट्रीक्यूशन द्वारा सूचित कर देता है।

[मंख्या -8454/फा. स. 328/40/89-उल्ल्यटी]

मूलन शर्यात, धन्यवाद

WEALTH TAX

S.O. 737 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (xvi) of sub-section (1) of section 5 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Government hereby specifies “15 year-9 per cent. (tax free) SCICI Bonds (Series 2)”, issued by the Shipping Credit and Investment Company of India Limited, for the purpose of the said clause :

Provided that the benefit under the said clause shall be admissible in the case of transfer of such bonds by endorsement or delivery, only if the transferee informs the said Company by registered post within a period of sixty days of such transfer.

[No. 8454|F. No. 328|40|89-WT]
NUTAN SHARMA, Under Secy.

